परं शोणितसङ्घातव्याजेनान्तः स्थिरजोराशिमिवोद्गिरन्तं कलितसायन्तनघनाऽऽडम्बर-विभ्रमं सतत ताम्रचूडभक्षणपातकेनेव ताम्रीकृत छिन्नकन्धरं यवनहतकमवलोक्य सहर्षं ससाधुवादं सरोमोद्गमं च गौर सिंहमाश्लिष्य, भ्रूभङ्गमात्राऽऽज्ञप्तेन भृत्येन मृतकमञ्जुकटि-बन्धोष्णीषादिकमन्विष्याऽऽनीतं पत्रकेमादाय सगणः स्वकुटीरं प्रविवेश।

4. 'समासः पञ्चधा' (समास पांच होते है) सोदाहरणं व्याख्या कीजिए।
5. 'शिवराज विजयम्' की गद्य शैली के वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।
6. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर हिन्दी भाषा में निबन्ध लिखिए :
   (क) गीतायाः महत्त्वम्
   (ख) आधुनिक युगे संस्कृत शिक्षायाः स्थिति
   (ग) परोपकाराय सतां विभूतयः
   (घ) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्।
7. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिए :
   (अ) द्वन्द्वश्च प्राणि-तूर्य-सेनाङ्गानाम्
   (ब) अव्ययीभावे चाऽकाले।
8. निम्नलिखित समस्तपद की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्ध कीजिए :
   (अ) नीलोत्पलम्
   (ब) द्विरात्रम्
9. शुकनासोपदेश के आधार पर यौवनावस्था के दोषों का वर्णन कीजिए।

SA–04

December – Examination 2021

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(Gadya Samas Prakaran Tatha Nibandh)

गद्य समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper : SA-04

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंकों का है।

1. (i) बाणभट्ट द्वारा रचित ग्रन्थों के नाम लिखिए।
   (ii) 'शिवराजविजयम्' के रचयिता को किस उपाधि से विभूषित किया गया है तथा इनकी रचना को गद्य की किस शैली के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है ?

(iii) शुकनासोपदेश द्वारा किसको उपदेश दिया गया ? उपदेश के मुख्य बिन्दुओं का नामतः उल्लेख कीजिए।

(iv) कथा एवं आख्यायिका में कोई दो अन्तर बताइए।

(v) 'शिवराजविजयम्' में कुल कितने निःश्वास हैं ?

(vi) 'प्रत्यर्थम्' का लौकिक एवं अलौकिक समास विग्रह कर समास का नाम बताइए।

(vii) 'शिवराजविजयम्' के प्रधान नायक कौन है तथा उसे नायकत्व की किस कोटि में माना जाता है ? 'शिवराज-विजयम्' में प्रधान रस कौनसा है ?

(viii) 'ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः' इस वाक्यांश का अर्थ लिखकर इसमें अलङ्कार बताइए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य की सप्रसंङ्ग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अपरिणामोपशमोक दारुणोलक्ष्मीमदः।
कष्टमनअनवर्तिसाध्यमपरम् ऐश्वर्यातिमिरान्धत्वम्।
अशिशिरोप्रचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा।
सततममूलमन्त्रगम्यो विषमो विषय विषास्वादमोहः।
नित्यस्नानशौचबाध्यो रागमलावलेपः। अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा

घोरा च राज्य सुखसन्निपात निद्रा भवतीति विस्तरेणाभिधीयसे। गर्भेश्वरत्वमभिनव यौवनत्वभप्रतिमरूपत्वभमानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थ-परम्परा।

अथवा

(ब) अहँकारदाहज्वर मूर्च्छान्धकारिता विहवला हि राजप्रकृतिः। अलीकाभिमानोन्माद कारीणि धनामि, राज्यविषविकारतन्द्रा प्रदा राजलक्ष्मीः सरस्वती परिगृहीतमीर्ष्ययेव नालिङ्गति जनम्। गुणवन्तमपवित्रमिव न स्पृशति। उदारसत्वममङ्गलमिव न बहुमन्यते। सुजनमनिभितमिव न पश्यति। अभिजातमहिमिव लङ्घयति। शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति विनीतं पात किन मिव नोपसर्पति।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य की सप्रसंग हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए :

(अ) ''मुने! विलक्षणोऽयं भगवान् सकल-कला-कलाप-कलनः सकल कालनः करालः कालः। स एव कदाचित् पयः पुर पुरिता न्यकूपारतलानि मरूकरोति। सिंह-व्याघ्र-भल्लूक-गण्डक-फेरू-शश-सहस्र-व्याप्तान्यरण्यानि जनपदी करोति, मन्दिर-प्रासाद-हर्म्य-शृङ्गाटक-चत्वरोद्यान-तडागगोष्ठमयानि नगराणि च काननीकरोति। निरीक्ष्यताम् कदाचिद्स्मिन्नैव भारतवर्षे यायजूकै राजसूयादियज्ञा व्ययाजिषत, कदाचिदिहैव वर्ष-वाताऽऽतप-हिम-सहानि तपांसि अतापिषत।

(ब) अथ मुनिरपि दाडिम कुसुमास्तरणच्छन्नायमिव गाढ-रुधिर दिग्धायां ज्वलदङ्गार चितायां चितायामिव वसुधायां शयानं वियुज्यमान भारतभुवमालिङ्गन्तमिव निर्जीवभवदङ्गबन्ध-चालनं